pan>

Title: Need to take steps to ban Annapratha in Bundelkhand region.

श्री भैरों प्रसाद मिश्र (बांदा) : उपाध्यक्ष महोदय, पूरे बुंदेलखण्ड क्षेत्र में, जिसमें मेरा संसदीय क्षेत्र बांदा भी आता है, के अंतर्गत जानवरों की अन्नाप्रथा के कारण किसानों की फसलें बर्बाद हो रही हैं। कई वर्ष से सूखा पड़ने के कारण यह समस्या और बढ़ गयी है। राजस्व विभाग व वन विभाग के जो चरागाह थे, वे खत्म हो रहे हैं। किसानों के पास जानवरों को, विशेषकर देसी गायों को खिलाने के लिए चारा आदि उपलब्ध नहीं है। गरीबी के कारण एवं जानवरों के कम दूध देने के कारण अधिकतर किसान जानवरों को, विशेषकर देसी गायों एवं बछड़ों को खुला छोड़ देते हैं, जिससे खेतों में वे झुण्ड के झुण्ड दिखाई देते हैं और सूखे से जो थोड़ी-बहुत फसल बची है, उसे भी चरते जा रहे हैं। यह समस्या जनपद बांदा एवं चित्रकूट, दोनों जगह विकराल है, इससे गौकसी की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। अस्तु, मेरा सरकार से आग्रह है कि इस अन्नाप्रथा पर अंकुश लगाने के लिए कारगर उपाय किए जाएं, गांव व क्षेत्र में चरागाह बनाए जाएं तथा हर न्याय पंचायत स्तर पर कम से कम एक गौशाला खोली जाए। हर न्याय पंचायत स्तर पर एक कांजी हाउस बनाया जाए और वहां जानवरों की उन्नत प्रजाति विकसित कराने की कृपा करें। धन्यवाद।

HON. DEPUTY-SPEAKER:

Kunwar Pushpendra Singh Chandel is permitted to associate with the issue raised by Shri Bhairon Prasad Mishra.